MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

SEMESTER EXAMINATIONS (AUGUST-2021)

Programme : B.A. (Hindi) Core Paper

Semester : II

Title & Paper Code : मध्यकालीन हिंदी कविता

Madhyakalin Hindi Kavita (BAHN211CCT)

TIME: 3 HOURS **MAXIMUM MARKS: 70**

यह प्रश्न पत्र दो भागों में विभाजित है: भाग-1 औरभाग-2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्दों में दीजिये सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

भाग-1

निम्नलिखित दस प्रश्नों में से किन्ही आठ प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में देना अनिवार्य है । 8X5=40

1.निम्नलिखित दोहे की व्याख्या लिखिए।

कबीर कहा गरबियो, इस जोबन की आस।

टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास।।

2.कबीर के उद्बोधन सम्बन्धी दोहों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

3.रसखान की भक्ति भावना पर एक लेख लिखिए।

4.निम्नलिखित दोहे की सन्दर्भ सहित व्याख्या लिखिए-

बतरसलालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करै भौंहनु हँसै दैन कहैं नटि जाइ॥

5. अलंकार का अर्थ स्पष्ट करते हुए , शब्दालंकार की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6.सूरदास का जीवन परिचय लिखिए।

7. रस से आप क्या समझते हैं ? वीर रस को स्पष्ट कीजिये।

8.निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या लिखिए-

कनक कनक ते सौं गुनी मादकता अधिकाय।
इहिं खाएं बौराय जग, इहिं पाएं बौराय।।

9. तुलसीदास की गुरु वंदना का उल्लेख कीजिये।

10. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखिए-

इति आवत चली जात उत, चली, छसातक हाथ।
चढी हिंडोरे सी रहे, लगी उसासनु साथ॥

भाग-2

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में देना अनिवार्य है। **3X10=30**

11. सूरदास की कृष्ण भक्ति पर प्रकाश डालिए।

12.बिहारी का जीवन परिचय देते हुए उनके दोहों की विशेषता पर प्रकाश डालिए।

13. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की व्याख्या लिखिए।

मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायौ।
मोसौ कहत मोल कौ लीन्हौ, तू जसुमति कब जायौ ?
कहा करौं इहि रिस के मारैं, खेलन हौं नहिं जात।
पुनि-पुनि कहत कौन है? माता को है तेरौ तात॥
गोरे नंद जसोदा गोरी, तू कत स्यामल गात।
चुटुकी दै-दै ग्वाल नवावत, हँसतसबै मुसुकात॥
तू मोही कौं मारन सीखी, दाउहि कबहुँ न खीझै।
मोहन-मुख रिस की ये बातैं, जसुमति सुनि-सुनि रीझै॥
सुनहु कान्ह, बलभद्र चबाई, नमत ही कौ धूत।
सूर स्याम मोहि गोधन की सौं, हौं माता तू पूत॥

14.शिवाजी की वीरता पर कवि भूषण के विचार लिखिए।

15. रसखान की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

****